बिहार विधान परिषद्

208वां शीतकालीन सत्र

अल्पसूचित प्रश्न

27 नवम्बर, 2024

[राजस्व एवं भूमि सुधार - सहकारिता - पर्यटन - सूचना एवं जनसम्पर्क - खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण - नगर विकास एवं आवास - सामान्य प्रशासन - मंत्रिमंडल सचिवालय - निगरानी - सूचना प्रावैधिकी - निर्वाचन आपदा प्रबंधन].

अल्पसूचित प्रश्नों की कुल संख्या- 9

पर्यटन स्थल विकसित करने हेतु

16. **श्री कुमार नागेन्द्र (स्थानीय प्राधिकार, जहानाबाद, गया एवं अरवल):**

क्या मंत्री, **पर्यटन** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि जहानाबाद जिले के बराबर पहाड़ पर सालों भर ,विशेष रूप से सावन मास में राज्य भर से तथा अन्य राज्यों से भी हजारों श्रद्धालु दर्शन करने जाते हैं ;

(ख) क्या यह सही है कि काफी प्रसिद्ध होने के बावजूद भी बराबर पहाड़ी पर मूलभूत सुविधाओं (शौचालय/यात्री शेड/शुद्ध पेयजल) इत्यादि का काफी अभाव है ;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों का उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार बराबर पहाड़ को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने और इसे मूलभूत सुविधाओं से लैस करने का विचार रखती है ,यदि हां तो कब तक, यदि नही तो क्यों ?

विज्ञापन नीति गठित कब तक

17. **डा. संजीव कुमार सिंह (कोशी शिक्षक):**

क्या मंत्री, **नगर विकास एवं आवास** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि राज्य के नगर निकायों में निजी व्यवसायिक उद्देश्यों के पूर्ति के लिए मनमाने जगहों पर होर्डिंग्स लगाए जाने के कारण राज्य सरकार को करोड़ों-अरबों रुपए राजस्व की क्षति हो रही है ;

(ख) क्या यह सही है कि नगर निकायों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए सरकार द्वारा अब तक विज्ञापन नीति गठित नहीं किए जाने से सरकार की विश्वसनीयता पर प्रश्न चिन्ह लग रहा है ;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार नगर निकायों के लिए नई विज्ञापन नीति अतिशीघ्र गठित करने का विचार रखती है, यदि हां तो कब तक, नही तो क्यों ?

मत्स्यगंधा परिसर का सौन्दर्यीकरण

18. **डा. अजय कुमार सिंह (सहरसा स्थानीय प्राधिकार):**

क्या मंत्री, **पर्यटन** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि सहरसा शहर स्थित एकमात्र पर्यटक स्थल मत्स्यगंधा परिसर में पर्यटक बड़ी संख्या में आतें हैं ;

(ख) क्या यह सही है कि मत्स्यगंधा मंदिर में शुभलग्न के समय बड़ी संख्या में शादी-विवाह सम्पन्न होती है ;

(ग) क्या यह सही है कि मत्स्यगंधा परिसर में स्थित झील में जल का अभाव है ;

(घ) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो, क्या सरकार मत्स्यगंधा परिसर का सौन्दर्यीकरण का विचार रखती है, यदि हाँ तो कब तक, नहीं तो क्यों ?

सर्वे स्थगित करने के विचार

19. **प्रो. संजय कुमार सिंह (तिरहुत शिक्षक):**

क्या मंत्री, **राजस्व एवं भूमि सुधार** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि पूरे राज्य में जमीन का सर्वे अभियान चलाने में रैयतों को काफी परेशानी हो रही है ;

(ख) क्या सही है कि जमीन का खतियान का काफी पुराना हो जाने के कारण फटकर/

दीमक के द्वारा बर्बाद हो गये है, जिससे सही खाता, खेसरा, ऐराजी का सत्यापन नहीं हो पा रहा है ;

(ग) क्या यह सही है कि परिवार में बंटवारे के बावजूद तथा दाखिल खारिज में पंजी-2 में इन्द्रराज नहीं होने के कारण अंचल कर्मियों से जिला स्तर तक जमीन के वाजिब हकदार परेशान हो रहे हैं ;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों का उत्तर स्वीकारात्मक है तो सरकार तत्काल सर्वे अभियान को स्थगित कर सभी भू-अभिलेखों को अद्यतन कर रैयतो को उपलब्ध कराना चाहती है, यदि हां तो कब तक, नही तो क्यों ?

संविदा पर कार्यरत महिलाओं को विशेष अवकाश

20. **श्रीमती रीना देवी (स्थानीय प्राधिकार, नालन्दा):**

क्या मंत्री, **सामान्य प्रशासन** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि राज्य के विभागों में संविदा/स्थायी रूप से कार्यरत महिला कर्मचारियों को प्रतिमाह दो दिनों का विशेष अवकाश देने का प्रावधान है ;

(ख) क्या यह सही है कि बेल्ट्रॉन (बिहार स्टेट इलेक्ट्रानिक्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड) के तहत् नियुक्त महिला कर्मचारियों (डाटा ऑपरेटर) को दो दिनों का विशेष अवकाश देने से वंचित रखा गया है ;

(ग) क्या यह सही है कि एक ओर पूरे देश में बिहार महिला सशक्तिकरण में अद्वितीय रहा है वहीं संविदा पर कार्यरत महिलाओं व स्थायी रूप से कार्यरत महिलाओं में विभेद उत्पन्न किया जा रहा है जिससे संविदा पर कार्यरत बेल्ट्रान के महिला कर्मियों में काफी रोष व्याप्त है ;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो सरकार बेल्ट्रान के द्वारा संविदा पर नियुक्त महिला कर्मचारियों को अन्य महिला कर्मचारियों की भांति दो दिनों का विशेष अवकाश देने का विचार रखती है, यदि हॉ, तो कबतक नहीं तो क्यों ?

त्रुटियों मे सुधार कब तक

21. **श्री रवीन्द्र प्रसाद सिंह (विधान सभा):**

क्या मंत्री, **राजस्व एवं भूमि सुधार** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि राज्य में भूमि के सभी रिकॉर्ड अब ऑनलाइन हो चुका हैं ;

(ख) क्या यह सही है कि भूमि के ऑनलाइन रिकॉर्ड अपलोड के क्रम में अनेक त्रुटियाँ रह गई है, जिसे सुधार के लिए परिमार्जन के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जाता है ;

(ग) क्या यह सही है कि परिमार्जन करने के बाद एक माह में ऑनलाइन रिकॉर्ड का सुधार कर लिया जाता है ;

(घ) यदि उपरोक्त खंडों का उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार यह बतलाएगी कि अभी तक ऐसी और कितनी त्रुटियाँ रह गई है, उन त्रुटियों को कबतक ठीक कर लिया जायेगा ?

कार्रवाई कब तक

22. **श्री दिलीप कुमार सिंह (स्थानीय प्राधिकार, औरंगाबाद):**

क्या मंत्री, **राजस्व एवं भूमि सुधार** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है की महादलित विकास मिशन द्वारा महादलित टोला में सामुदायिक भवन निर्माण हेतु अंचलाधिकारी द्वारा आनापत्ति प्रमाण निर्गत करना अनिवार्य होता है ;

(ख) क्या यह सही है की जिला कल्याण पदाधिकारी द्वारा अपने पत्रांक-904 दिंनाक 03-07-24 एवं पत्रांक-1145 दिनांक- 23-08-24 के माध्यम से औरंगाबाद जिला के विभिन्न प्रखंडों में सामुदायिक भवन के निर्माण हेतु आनापत्ति प्रमाण पत्र के लिए पत्रचार किया गया है ; परन्तु 4 माह बीत जाने के बाद भी अबतक सम्बंधित अंचल द्वारा NOC अप्राप्त है। जिसके कारण विभागीय कार्य बाधित है ;

(ग) यदि उपरोक्त खंडों का उत्तर स्वीकरात्मक है तो क्या सरकार लंबित योजनाओ का NOC उपलब्ध कराकर कार्य में लापरवाही बरतने वाले सम्बंधित अंचलाधिकारी पर दण्डात्मक करवाई करने का विचार रखती है यदि हां तो कब तक, नहीं तो क्यों ?

अतिक्रमण से मुक्ति

23. **श्री कुमार नागेन्द्र (स्थानीय प्राधिकार, जहानाबाद, गया एवं अरवल):**

क्या मंत्री, **राजस्व एवं भूमि सुधार** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि गया जिला अन्तर्गत बेलागंज प्रखंड के कोरियांवा पंचायत में कोरियांवा गांव में मुख्य सड़क से कोरियांवा महादलित टोला में असामाजिक तत्वों द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया है ;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त स्थान पर अतिक्रमण कर लिए जाने के कारण ग्रामीणों का रास्ता अवरुद्ध हो गया है, जिस कारण ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों का उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार शीघ्र उक्त स्थान को अतिक्रमण मुक्त कराने का विचार रखती है ,यदि हां तो कब तक, यदि नहीं तो क्यों?

समुचित व्यवस्था

24. डा. संजीव कुमार सिंह (कोशी शिक्षक):

क्या मंत्री, **पर्यटन** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि कैमूर जिला स्थित मां मुंडेश्वरी धाम में पर्यटकीय दृष्टिकोण से श्रद्धालुओं/पर्यटकों के आवासन हेतु धर्मशाला का निर्माण कराया गया है, जो वर्षों से बनकर तैयार है लेकिन उसका उपयोग नहीं हो रहा है। साथ ही रोपवे निर्माण कार्य भी अभी तक शुरू नहीं किया गया है ;

(ख) क्या यह सही है कि ऐसे महत्वपूर्ण पर्यटक स्थल पर श्रद्धालुओं/पर्यटकों की सुविधा के लिए स्थाई शेड, शुद्ध पेयजल, स्नानागार, पेशाब घर एवं सुलभ शौचालय की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है ;

(ग) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार मां मुंडेश्वरी धाम पर्यटन स्थल के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व को संज्ञान में लेते हुए श्रद्धालुओं/पर्यटकों की सुविधा हेतु समुचित व्यवस्था करने का विचार रखती है ;यदि हां तो कब तक, नहीं तो क्यों ?

पटना- 800015.
27 नवम्बर, 2024.

अखिलेश कुमार झा,
सचिव, बिहार विधान परिषद्